सोमवार , 16 नवंबर 2026, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज मुंबई

सच का जोश

वर्ष - 15 • अंक - 80 CITY NEWS MUMBAI

जब 14 करोड़ वोटर अवैध, तो 2024 का इलेक्शन वैध कैसे?

राहुल गांधी का चुनाव आयोग पर निशाना

राहुल गांधी ने हैदराबाद में 'भारत समिट' में 2024 के लोकसभा चुनावों की वैधता पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज शनिवार को हैदराबाद में 'भारत समिट' को संबोधित करते हुए 2024 के लोकसभा चुनावों की वैधता पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि उसने मतदान करने वाले 140 मिलियन (14 करोड़) लोगों को या तो अस्तित्वहीन मतदाता या गैर-मतदाता करार दिया। '2024 का चुनाव वैध कैसे?' राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए पूछा, 'अगर चुनाव आयोग 140 मिलियन मतदाताओं को अवैध घोषित कर देता है, तो फिर चुनाव वैध कैसे हो सकता है?' लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, '2024 के लोकसभा चुनाव में वोट डालने वाले 140 मिलियन लोगों को कुछ महीने पहले 'अस्तित्वहीन मतदाता' या 'गैर-मतदाता' घोषित कर दिया गया था... अगर चुनाव आयोग ने 140 मिलियन मतदाताओं - जो भारतीय मतदाताओं का लगभग 13%



हैं और जिन्होंने 2024 के चुनावों में वोट दिया था - को अवैध या गैर-मतदाता करार दिया है, तो फिर वह चुनाव वैध कैसे हो सकता है?' '2014 के चुनाव में करोड़ों डॉलर झोंके' राहुल गांधी ने 2014 के लोकसभा चुनावों पर सवाल खड़े करते हुए कहा, '2014 में हमने एक बिल्कुल नया चुनाव देखा, ऐसा कुछ जो हमने पहले कभी नहीं देखा था। राजनीतिक व्यवस्था में करोड़ों-अरबों डॉलर झोंक दिए गए।' राहुल गांधी ने आगे कहा कि विपक्ष शुरू में इस बदलाव से हैरान रह गया था और इन बदलावों को समझने में उन्हें लगभग एक दशक लग गया। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस बदलाव ने उस चुनावी व्यवस्था को पूरी तरह पलट दिया, जिसमें पहले कड़े मुकाबले और गठबंधन सरकारों का दौर हुआ करता था। राहुल गांधी ने आगे आरोप लगाया कि एक दशक में BJP की संपत्ति 11 गुना बढ़ गई है। उन्होंने पार्टी की इस आर्थिक वृद्धि को राजनीतिक और आर्थिक सत्ता के एक ही जगह केंद्रित होने से जोड़ा।

वेट एंड वॉच 3.0 के वायरल पोस्टर से महाराष्ट्र की सियासत में हलचल, फिर चर्चा में आया ऑपरेशन टाइगर

एकनाथ शिंदे की वेट एंड वॉच 3.0 पोस्ट वायरल होने से महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर 3.0' की अटकलें तेज, ठाकरे गुट पर नजर। एकनाथ शिंदे की तस्वीर के साथ 'वेट एंड वॉच 3.0' संदेश वायरल। उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों के टूटने की अटकलें तेज। ऑपरेशन टाइगर 3.0 को लेकर महाराष्ट्र के सियासी गलियारों में चर्चा। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर ऑपरेशन टाइगर को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। सोशल मीडिया पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ



शिंदे की तस्वीर के साथ 'वेट एंड वॉच 3.0' लिखा संदेश वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में नई अटकलें शुरू हो गई हैं। चर्चा है कि क्या शिंदे एक बार फिर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को राजनीतिक झटका देने की तैयारी में हैं? हालांकि, इस वायरल संदेश के पीछे की रणनीति या किसी संभावित राजनीतिक कदम को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। 40 विधायकों के साथ की थी बगावत एकनाथ शिंदे ने वर्ष 2022 में शिवसेना के करीब 40 विधायकों के साथ तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व के खिलाफ बगावत की थी। इसके बाद उन्होंने बीजेपी के साथ मिलकर महाराष्ट्र में महायुति सरकार बनाई थी। इस घटनाक्रम के बाद शिवसेना दो गुटों में बंट गई थी। शिंदे गुट को पार्टी का नाम और चुनाव ...शेष 7 पर

महाराष्ट्र के 1.22 करोड़ मतदाताओं को राहत! 99.94% नाम रहेंगे बरकरार, 30 नवंबर को आएगी अंतिम सूची



महाराष्ट्र में SIR नोटिस पाने वाले 99.94% मतदाताओं के नाम बरकरार, 30 नवंबर को आएगी अंतिम सूची। पुणे में पते बदलने पर आयोग की जांच। SIR में नोटिस पाने वाले 99.94% मतदाताओं के नाम बरकरार रहेंगे। करीब 1.22 करोड़ मतदाताओं को बड़ी राहत, अंतिम सूची 30 नवंबर को आएगी। पुणे में मोबाइल से ...शेष 7 पर

किसानों को बड़ी राहत, ई-फसल सर्वेक्षण की तारीख 30 नवंबर तक बढ़ी; ऑफलाइन पंजीकरण की भी सुविधा



महाराष्ट्र में ई-फसल सर्वेक्षण की तारीख 30 नवंबर तक बढ़ी। ऑफलाइन पंजीकरण की सुविधा के साथ सूखे से निपटने के लिए कई बड़े फैसले। ई-फसल सर्वेक्षण की अंतिम तारीख 30 नवंबर तक बढ़ाई गई। नेटवर्क नहीं होने पर किसान ऑफलाइन पंजीकरण करा सकेंगे। सूखे से निपटने के लिए खेतों तक सड़कें और बागों के लिए बोरवेल की अनुमति। महाराष्ट्र सरकार ने किसानों ...शेष 7 पर

4% शुल्क के बजाय सिर्फ 2.27 करोड़ जमा, अदाणी प्रोजेक्ट पर वडेट्टीवार ने उठाए सवाल



विजय वडेट्टीवार ने कराड़ी ऊर्जा परियोजना में राजस्व नुकसान का आरोप लगाकर मंजूरी रद्द करने की मांग की। अदाणी समूह ने आरोपों को भ्रामक बताया। विजय वडेट्टीवार ने कराड़ी ऊर्जा परियोजना की मंजूरी रद्द करने की मांग की। 5,775 करोड़ की परियोजना में राजस्व नुकसान और नियमों की अनदेखी का आरोप। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने आरोपों को भ्रामक बताते हुए सफाई दी। अदाणी समूह को फायदा पहुंचाने के लिए पर्यावरणीय मंजूरी और सरकारी राजस्व के मामले में नियमों की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने कराड़ी ऊर्जा परियोजना की मंजूरी तत्काल रद्द करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि 1,500 मेगावाट की करीब 5,775 करोड़ रुपये की परियोजना को शुरुआती प्रस्ताव में महज 56.75 करोड़ रुपये का दिखाया गया। इससे सरकारी खजाने को मिलने वाले राजस्व का नुकसान हुआ। 4% के बजाय जमा किए 2.27 करोड़ विजय वडेट्टीवार के अनुसार, परियोजना की लागत के आधार पर चार प्रतिशत राशि जमा होनी चाहिए थी, लेकिन केवल 2.27 करोड़ रुपये जमा किए गए। उन्होंने सवाल उठाया कि शेष राशि किसके फायदे के लिए बचाई गई। उन्होंने वन क्षेत्र, पर्यावरणीय प्रभाव और राजस्व नुकसान की स्वतंत्र जांच कराकर नियमों के विपरीत दी गई मंजूरियां रद्द करने की मांग की। उन्होंने 23 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदने पर भी सरकार को घेरा। अदाणी ने आरोपों को बताया भ्रामक अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने परियोजना की लागत घटाने के आरोपों को भ्रामक बताया है। कंपनी के अनुसार, ऑनलाइन पोर्टल पर 56.75 करोड़ का उल्लेख केवल परियोजना ...शेष 7 पर

छठ पूजा से 65,000 करोड़ की होगी कमाई! UP, बिहार-झारखंड समेत इन राज्यों की चमकेगी अर्थव्यवस्था

छठ पूजा से देश में 65,000 करोड़ के कारोबार का अनुमान है। बिहार, झारखंड और दिल्ली में कहां कितना व्यापार होगा और किन छोटे कारोबारियों को सबसे ज्यादा फायदा मिलेगा? CAIT के अनुमान के मुताबिक, छठ पूजा पर देशभर में 65,000 करोड़ से अधिक का कारोबार हो सकता है। बिहार में 20,000 करोड़, दिल्ली में 12,000 करोड़ और झारखंड में 7,000 करोड़ के व्यापार का अनुमान है। बांस के कारीगरों, किसानों, कुम्हारों और छोटे दुकानदारों को छठ पूजा से रोजगार और कमाई के बड़े अवसर मिलते हैं। छठ महापर्व को आमतौर पर सूर्य उपासना, लोक आस्था और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने वाले पर्व के रूप में देखा जाता है। लेकिन इसके साथ ही यह देश की अर्थव्यवस्था, खासकर स्थानीय बाजारों और छोटे कारोबारियों के लिए भी बड़ा अवसर बनकर उभरा है। इस साल देशभर में करीब 11 करोड़ लोगों के छठ मनाने का अनुमान है। वहीं, इस महापर्व के दौरान विभिन्न राज्यों में कुल 65,000 करोड़ से अधिक का कारोबार होने की संभावना जताई गई है। यह आंकड़ा बताता है कि धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का असर केवल सामाजिक जीवन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि



बाजार, रोजगार और स्थानीय उत्पादन को भी व्यापक स्तर पर प्रभावित करता है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के आकलन के मुताबिक, छठ पूजा के दौरान सबसे अधिक कारोबार बिहार में होने की संभावना है। यहां करीब 20,000 करोड़ के व्यापार का अनुमान लगाया गया है। दिल्ली में लगभग 12,000 करोड़ और झारखंड में करीब 7,000 करोड़ का कारोबार हो सकता है। बाकी राज्यों में कुल मिलाकर लगभग 26,000 करोड़ के व्यापार का अनुमान है। यह आकलन कैट की सनातन अर्थव्यवस्था पर चल रही अध्ययन परियोजना का हिस्सा है, जिसके तहत त्योहारों और शादी-विवाह जैसे आयोजनों से पैदा होने वाली आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन किया जाता है। बिहार-झारखंड के साथ दिल्ली-एनसीआर भी छठ कारोबार का बड़ा केंद्र छठ पूजा का सबसे व्यापक आयोजन बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में देखने को मिलता है। इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं और पूजा से जुड़ी वस्तुओं की खरीदारी करते हैं। हालांकि, अब यह पर्व इन राज्यों तक सीमित नहीं है। दिल्ली-एनसीआर में पूर्वांचल से आए लोगों की बड़ी आबादी के कारण छठ से जुड़ा बाजार काफी विस्तार कर चुका है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और सांसद प्रवीन खंडेलवाल के अनुसार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भी छठ बड़े स्तर पर मनाया जाता है। इन राज्यों में बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रवासी समुदायों की मौजूदगी के कारण पूजा सामग्री, फल, कपड़े और अन्य जरूरी सामानों की मांग बढ़ती है।

IndiGo की पुणे-गुवाहाटी फ्लाइट में तकनीकी खराबी, उड़ान भरने के बाद एयरपोर्ट लौटा विमान

इंडिगो की पुणे-गुवाहाटी फ्लाइट 6E 623 तकनीकी खराबी के बाद पुणे एयरपोर्ट लौट आई। विमान सुरक्षित उतरा और यात्रियों के लिए वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई। पुणे एयरपोर्ट से गुवाहाटी के लिए उड़ान भरने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6E 623 में आई तकनीकी खराबी। पायलट की सूझबूझ से विमान की पुणे एयरपोर्ट पर कराई गई सुरक्षित लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित। SOP के तहत संबंधित अधिकारियों को दी गई सूचना, विमान की मेंटेनेंस जांच जारी। 15 नवंबर 2026 को पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6E 623, उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद एक तकनीकी खराबी आने के कारण वापस लौट आई और पुणे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गई। मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) के अनुसार, सभी संबंधित अधिकारियों को तुरंत



सूचित कर दिया गया। विमान की मेंटेनेंस जांच की जा रही है और जरूरी मंजूरी मिलने के बाद यह फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार होगा। इस उड़ान को संचालित करने के लिए तुरंत एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था कर दी गई है। ग्राहकों के लिए सुविधाएं और रिफंड इंडिगो ने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया। इंडिगो प्रवक्ता के अनुसार, ऐसी घटनाओं को कम करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। इसमें ग्राहकों को नियमित अपडेट देना, भोजन और जलपान की सुविधा, वैकल्पिक उड़ान का विकल्प और जरूरत पड़ने पर रिफंड देना शामिल है।

विमान का लैंडिंग गियर अंदर नहीं जा पाया एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि पुणे से गुवाहाटी जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट, जिसमें 192 लोग सवार थे, रविवार को पुणे एयरपोर्ट लौट आई। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान का लैंडिंग गियर अंदर नहीं जा पाया था। इंडिगो ने अपने ग्राहकों के धैर्य और समझदारी के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इंडिगो ने ग्राहकों और क्रू की सुरक्षा और आराम को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। सुबह 9 बे एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा विमान एहतियात के तौर पर, विमान को रनवे के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ाया गया, ताकि बाहर से लैंडिंग गियर की स्थिति देखी जा सके। इसके बाद, विमान सुबह करीब 9:00 बजे पुणे एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतर गया।

एक अधिकारी ने बताया, "लैंडिंग के बाद, तय आपातकालीन प्रक्रियाओं के अनुसार, तीन फायर टेंडर और दो एम्बुलेंस की मदद से विमान को 'बे नंबर 7' तक ले जाया गया। जब यह पुष्टि हो गई कि विमान सुरक्षित और सामान्य स्थिति में है, तो एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) ने सुबह 9:10 बजे 'फुल इमरजेंसी' हटा दी।

Microsoft Outage के बाद हैकर्स हुए एक्टिव, फर्जी ईमेल भेजकर पासवर्ड चुराने की कोशिश; कंपनी ने किया अलर्ट



माइक्रोसॉफ्ट के ग्लोबल आउटेज का फायदा उठाकर साइबर क्रिमिनल्स फिशिंग कैंपेन चला रहे हैं। कंपनी ने यूजर्स को चेतावनी दी है कि वे अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें। माइक्रोसॉफ्ट आउटेज के बाद साइबर ठगों ने शुरू किया नया फिशिंग कैंपेन। सर्विस नोटिफिकेशन का झांसा देकर लॉगइन पासवर्ड और बैंक खाते की जानकारी चुराने की कोशिश। माइक्रोसॉफ्ट थ्रेट इंटेलीजेंस ने सोशल मीडिया पर यूजर्स को अलर्ट रहने की दी सलाह। माइक्रोसॉफ्ट को बीते दिनों बड़े ग्लोबल आउटेज का सामना करना पड़ा, जिसका असर दुनियाभर की कंपनियों, हवाई सेवाओं और शेयर बाजार में देखने को मिला। दुनियाभर के लगभग 74 देशों में इस आउटेज का प्रभाव देखने को मिला।

मणिपुर में बन रही देश की पहली नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी NSU, अगले सत्र से हो सकती है शुरू



मणिपुर देश की पहली और इकलौती नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी है। एनएसयू कैंपस बनाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सुझाव था।

देश की पहली नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी NSU जल्द होगी शुरू अगले सत्र से शुरू हो सकता है नामांकन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुझाव से हुआ NSU का निर्माण मणिपुर में बन रही भारत की पहली नेशनल स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी (एनएसयू) अगले एकेडमिक सेशन से शुरू हो सकती है। मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने शनिवार को ये जानकारी दी।

सीएम ने ये घोषणा इंफाल वेस्ट जिले के कौत्रुक में बन रहे यूनिवर्सिटी कैंपस के अपने दौरे पर की, जहां उन्होंने चल रहे कंस्ट्रक्शन के काम की प्रोग्रेस का रिव्यू किया। जल्द अगला एकेडमिक सेशन शुरू होने की संभावना खेमचंद सिंह ने भरोसा जताया कि यूनिवर्सिटी का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का काम जुलाई 2027 से पहले पूरा हो जाएगा।

सोनिया गांधी की किताब पर सियासी घमासान, दिल्ली में विमोचन पर जुटेंगे कई दिग्गज; राजनीतिक संदेश देने की तैयारी

सोनिया गांधी की किताब 'Belonging: A Journey of Love' का 16 नवंबर को दिल्ली में होगा विमोचन। राहुल, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कांग्रेस के कई दिग्गज नेता होंगे शामिल। 16 नवंबर को दिल्ली में होगा सोनिया गांधी के किताब का विमोचन किताब के विमोचन में बड़े राजनेताओं के शामिल होने की संभावना तेज सोनिया गांधी की किताब Belonging: A Journey of Love को लेकर गरमाई है राजनीति देश की राजधानी दिल्ली में 16 नवंबर को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब 'Belonging: A Journey of Love' का विमोचन होगा। राजधानी के ITC होटल में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में गांधी परिवार के सदस्यों के साथ कांग्रेस के कई दिग्गज नेता शामिल होंगे। किताब



के विमोचन को लेकर सियासी गलियारों में भी चर्चा तेज है। कांग्रेस की राजनीति में एक बार फिर गांधी परिवार केंद्र में रहने वाला है। इस बार वजह कोई चुनावी रैली या राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि सोनिया गांधी की नई किताब है। 16 नवंबर को दिल्ली के ITC होटल में उनकी किताब 'Belonging: A Journey of Love' का औपचारिक विमोचन किया जाएगा। इस आयोजन में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के एक मंच पर जुटने की तैयारी है। बड़े राजनेता रहेंगे मौजूद कार्यक्रम में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा दूसरे राजनीतिक दलों के प्रमुख चेहरों को भी आमंत्रित किया गया है। ऐसे में यह आयोजन सिर्फ एक पुस्तक विमोचन तक सीमित नहीं रहने वाला, बल्कि राजनीतिक हलकों में भी इसकी चर्चा बनी हुई है। राजनीतिक गलियारों की भी रहेगी नजर इस कार्यक्रम में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी इसे राजनीतिक रूप से भी अहम बना रही है। राहुल और प्रियंका गांधी के साथ सोनिया गांधी की मौजूदगी पर भी सबकी नजर रहेगी। विपक्षी खेमे के नेताओं की भागीदारी इसे और दिलचस्प बना सकती है। कुल मिलाकर, 16 नवंबर को दिल्ली में होने वाला यह आयोजन सोनिया गांधी की किताब के विमोचन के साथ कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के जमावड़े का भी बड़ा अवसर होगा। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर गठबंधन और सीट बटवारे को लेकर भी महत्वपूर्ण बैठक होनी है।

राहुल गांधी के समर्थन में खुलकर बोले यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव, केंद्रीय मंत्री ने उठाए सवाल

हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 में जियाकोमो फिलिबेक ने राहुल गांधी के 'एक व्यक्ति, एक वोट' अभियान का समर्थन करते हुए लोकतंत्र और मतदाता सूची की पारदर्शिता को लेकर दिया बयान। जियाकोमो फिलिबेक ने राहुल गांधी के लोकतंत्र और 'एक व्यक्ति, एक वोट' अभियान का किया समर्थन यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव बोले- लोकतंत्र की रक्षा के लिए राहुल गांधी और कांग्रेस के साथ खड़े हैं केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना सरकार को घेरा, समिट के खर्च और आयोजन की प्रक्रियाओं पर मांगा जवाब भा केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने उठाए सवाल दूसरी ओर, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सम्मेलन के आयोजन पर तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को घेरा। उन्होंने सवाल किया कि राज्य सरकार कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रम पर जनता का पैसा किस आधार पर खर्च कर रही है। उन्होंने आयोजन के लिए किए गए खर्च और अपनाई गई औपचारिक प्रक्रियाओं का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के उस दावे पर भी सवाल उठाया, जिसमें सम्मेलन से राज्य में विदेशी निवेश आने की उम्मीद जताई गई है। उन्होंने कहा कि जब



कांग्रेस के नेता ही केंद्र सरकार को कथित तौर पर फासीवादी बता रहे हैं, तो ऐसे माहौल में विदेशी निवेशकों से निवेश की उम्मीद कैसे की जा सकती है? रत समिट 2026 का आयोजन 13 और 14 नवंबर को तेलंगाना के हैदराबाद में इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में किया गया था। इस समिट को लेकर शुरू से ही विवाद देखने को मिला। इसी बीच समिट में पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक का कांग्रेस और राहुल गांधी को लेकर किया गया समर्थन नए विवाद को जन्म दे दिया है। इसको लेकर केन्द्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने आयोजन को लेकर सवाल खड़ा किए हैं। असल में महासचिव जियाकोमो फिलिबेक कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लोकतंत्र और मतदाता सूची की पारदर्शिता को लेकर चलाए जा रहे अभियान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने उस बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांत की रक्षा की है, जिस पर हर लोकतंत्र की नींव टिकी होती है। यह सिद्धांत है एक व्यक्ति एक वोट। जियाकोमो फिलिबेक ने क्या कहा? जियाकोमो फिलिबेक ने अपने संबोधन में कहा कि मतदाता सूची को साफ-सुथरा और पारदर्शी बनाने के लिए राहुल गांधी का अभियान लोकतंत्र की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने दो सप्ताह पहले रामलीला मैदान तक राहुल गांधी के साथ मार्च करने वाले हजारों लोगों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, लोकतंत्र हमें अपने आप नहीं मिल जाता। इसकी रक्षा वे लोग करते हैं, जो इसके लिए खड़े होने का साहस रखते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र की रक्षा के लिए वे राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के साथ खड़े हैं।

आगामी चुनाव से पहले अभिजीत दीपके ने पसारे पैर, CJP ने यूपी-बिहार समेत 10 राज्यों में बनाई समितियां

अभिजीत दीपके की कॉकरोच जनता पार्टी यानी CJP ने देशभर में पैर पसारना शुरू कर दिया है। इसके मद्देनजर अब यूपी-बिहार समेत 10 राज्यों में समितियां बनाई है। कॉकरोच जनता पार्टी ने आगामी चुनाव से पहले बनाई समितियां यूपी-बिहार समेत 10 राज्यों में बनाई समितियां साथ ही साथ CJP ने 2 जोन के लिए किए प्रभारी नियुक्त अभिजीत दीपके ने यूपी समेत 10 राज्यों में CJP संगठन का विस्तार किया है। पार्टी ने अलग-अलग क्षेत्रों के लिए प्रभारी नियुक्त किए हैं। साथ ही साथ राज्य स्तरीय समन्वय समितियों का गठन भी किया गया है। उत्तर प्रदेश में 16 सदस्यों की समिति बनाई गई है। ये समितियां अपने-अपने इलाके में पार्टी की गतिविधियों को आगे बढ़ाने और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का काम करेगी। CJP



ने इन राज्यों में बनाई समन्वय समितियां कॉकरोच जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर क्षेत्र में समितियां गठित की है। बता दें कि अभिजीत दीपके ने उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ी 16 सदस्यीय समिति बनाई है। जिसके बाद क्रमशः महाराष्ट्र में 15, झारखंड और पूर्वोत्तर में 14-14, बिहार में 13 और पश्चिम बंगाल में 12 सदस्यों को जिम्मेदारी दी गई है। साथ ही साथ हरियाणा और उत्तराखंड में 6-6, राजस्थान में 5 और जम्मू-कश्मीर में 4 सदस्य रखे गए हैं। CJP ने इन 2 जोन के लिए किए प्रभारी नियुक्त कॉकरोच जनता पार्टी ने क्षितिज पगार को वेस्ट जोन और डॉ. विवेक सांगवान को नॉर्थ जोन की जिम्मेदारी सौंपी। वहीं मुहम्मद जुनैद और गीगराज जोरली को नॉर्थ जोन की समन्वय समिति में शामिल किया गया है। इसा उद्देश्य है कि सभी समितियां अपने क्षेत्रों में संगठन के कामकाज को बेहतर बनाने, आपसी तालमेल रखने और नए लोगों को जोड़ने का काम करेंगी। CJP साल 2026 में आंदोलन से आई चर्चा में सर्वप्रथम, अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की थी। NEET-UG पेपर लीक में गड़बड़ी को मद्देनजर रखते हु ये आंदोलन देशभर में किया गया, जिसके बाद CJP पार्टी पहली पर सुर्खियों में आई। इसके अलावा SIR के खिलाफ भी इन्होंने आंदोलन किया। बता दें कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत इसी साल मई में एक ऑनलाइन व्यंग्य अभियान के रूप में हुई थी। इसकी शुरुआत भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की उस टिप्पणी के बाद हुई।

भारत में घुसा चीन का सैन्य विमान, चिकन नेक पर 25 मिनट तक मंडराता रहा, मचा हड़कंप



सिक्किम में चीनी सैन्य विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में 25 मिनट तक मंडराता रहा। भारतीय वायुसेना ने चेतावनी दी। जानें चिकन नेक के पास इस घटना की पूरी अहमियत। चीन का सैन्य विमान सिक्किम में भारतीय हवाई क्षेत्र में दाखिल हुआ और 20-25 मिनट तक मंडराता रहा। भारतीय वायुसेना ने सुबह करीब 8 बजे विमान की गतिविधि पहचानकर उसे तत्काल चेतावनी दी। सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास हुई इस घटना ने सुरक्षा चिंताएं बढ़ाईं, यह गलियारा पूर्वोत्तर भारत को शेष देश से जोड़ता है। भारत और चीन के बीच सीमा पर तनाव के बीच एक बार फिर चीनी सैन्य विमान की गतिविधि ने सुरक्षा एजेंसियों का ध्यान खींचा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 12 नवंबर को चीन का एक सैन्य विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में दाखिल हो गया। बताया जा रहा है कि विमान करीब 20 से 25 मिनट तक भारतीय इलाके में उड़ान भरता रहा। यह घटना सिक्किम क्षेत्र में हुई, जो सामरिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नजदीक है।

झारखंड स्थापना दिवसः बिरसा मुंडा के संघर्ष को नमन, क्यों मनाया जाता है जनजातीय गौरव दिवस?



15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर झारखंड देश का 28वां राज्य बना। इस तरह हर साल 15 नवंबर को झारखंड स्थापना दिवस मनाया जाता है। इसे जनजातीय गौरव दिवस के रुप में भी जानते हैं। 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग होकर झारखंड देश का 28वां राज्य बना 15 नवंबर को मनाया जाता है झारखंड स्थापना दिवस 15 नवंबर महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की है जयंती हर साल 15 नवंबर को बिरसा मुंडा की है जयंती के अवसर पर मनाया जाता है जनजातीय गौरव दिवस 15 नवंबर का दिन झारखंड के इतिहास और देश के आदिवासी समाज के लिए बेहद खास है। इसी दिन झारखंड अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था। साथ ही, इसी तारीख को महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती मनाई जाती है।

11 घंटे में 4 बार कांपी जम्मू-कश्मीर की धरती, क्या यह किसी बड़े खतरे का संकेत है?

रिंकू सिंह की होने वाली पत्नी प्रिया सरोज कितनी अमीर हैं? 2024 के चुनावी हलफनामे में कितनी संपत्ति, सोना और बैंक बैलेंस बताया था? प्रिया सरोज मछलीशहर की सांसद हैं। प्रिया सरोज ने 2024 के चुनावी हलफनामे में करीब 11.26 लाख रुपये की संपत्ति घोषित की थी। उनके पास 75 हजार रुपये नकद, दो बैंक खाते और 4 ग्राम सोने की ज्वेलरी थी। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी 4 दिसंबर को लखनऊ के रमाडा होटल में होगी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की शादी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दोनों की शादी के कार्ड भी छपकर तैयार हो चुके हैं। कार्ड पर छपी जानकारी के मुताबिक, रिंकू और प्रिया 4 दिसंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। शादी की तैयारियों के बीच लोगों की दिलचस्पी



इस बात में भी बढ़ गई है कि आखिर रिंकू सिंह की होने वाली पत्नी कितनी संपत्ति की मालकिन हैं? प्रिया सरोज ने 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान दाखिल हलफनामे में अपनी संपत्ति का ब्योरा दिया था। आइए जानते हैं उनकी नेटवर्थ से लेकर शादी के वेन्यू तक की पूरी जानकारी। कितनी है प्रिया सरोज की नेटवर्थ? प्रिया सरोज ने 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ते समय चुनाव आयोग के समक्ष अपनी संपत्ति का हलफनामा दाखिल किया था। इसमें उन्होंने कुल करीब 11.26 लाख रुपये की संपत्ति घोषित की थी। हालांकि, यह आंकड़ा साल 2024 का है। ऐसे में 2026 तक उनकी संपत्ति में बदलाव संभव है। हलफनामे के मुताबिक, उनके पास कुल 75 हजार रुपये नकद थे। उनके दो बैंक खाते भी हैं। इनमें केनरा बैंक के खाते में 8,719 रुपये और यूनियन बैंक के खाते में करीब 10.10 लाख रुपये जमा थे। प्रिया सरोज के पास कितना सोना और जमीन? संपत्ति के ब्योरे के अनुसार, प्रिया सरोज के पास चार ग्राम सोने की ज्वेलरी थी। वहीं, उनके नाम पर कोई जमीन या गाड़ी दर्ज नहीं थी। यानी चुनाव के दौरान दाखिल हलफनामे में उन्होंने नकदी, बैंक जमा और सोने के अलावा किसी जमीन या वाहन की जानकारी नहीं दी थी। यहां ध्यान देने वाली बात है कि 11.26 लाख रुपये की संपत्ति का आंकड़ा उनके 2024 के चुनावी हलफनामे पर आधारित है, इसे उनकी मौजूदा नेटवर्थ नहीं माना जाना चाहिए। कहां और कब होगी रिंकू सिंह-प्रिया सरोज की शादी? रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी 4 दिसंबर को लखनऊ के रमाडा होटल में होने वाली है।

सम्पादकीय

आइए बचपन को संजोएं, आइए बचपन की भावना को पोषित करें!

बाल दिवस केवल बच्चों की खुशी का उत्सव ही नहीं है, बल्कि वयस्कों के लिए आत्मनिरीक्षण का भी दिन है। हम अपने बच्चों को किस प्रकार आकार दे रहे हैं, यह इस बात से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि हम उनके लिए कैसा वातावरण बना रहे हैं। हम अक्सर यह कहावत सुनते हैं कि 'आज के बच्चे कल के नागरिक हैं'। लेकिन बच्चों को सिर्फ कल के नागरिक के रूप में देखने के बजाय, हमें उन्हें आज के समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा समझना चाहिए। क्योंकि बचपन जीवन का सिर्फ एक चरण नहीं, बल्कि पूरे जीवन की नींव है। इसी नींव पर व्यक्तित्व का निर्माण होता है। इसीलिए बचपन का खुशहाल, सुरक्षित, सुसंस्कृत और रचनात्मक होना बहुत जरूरी है। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती, 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चों के प्रति उनके प्रेम और उनसे घनिष्ठ संबंध के कारण बच्चे उन्हें प्यार से 'चाचा नेहरू' कहते थे। बाल दिवस स्कूलों के खुशनुमा माहौल, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, बच्चों के चेहरों पर चमकती खुशी, खेल, गीत, नृत्य, भोजन और उपहारों की याद दिलाता है। बच्चों को खुश करने के लिए इस दिन कई गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। लेकिन बाल दिवस का असली अर्थ सिर्फ एक दिन तक सीमित नहीं है। यह वह दिन है जब हमें बच्चों के अधिकारों, उनकी शिक्षा, उनके स्वास्थ्य, उनकी सुरक्षा और उनके सपनों को सही दिशा देने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। बचपन मासूमियत की एक खूबसूरत अभिव्यक्ति है! बच्चों की दुनिया कितनी अनोखी है! उनकी आँखें जिज्ञासा से भरी होती हैं, उनके मन में सवालों का अंबार होता है और उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं होती। एक बच्चा जो तितली को देखकर उसके पीछे दौड़ता है, एक बच्चा जो बारिश में कागज की नाव छोड़ने के बाद खुशी से ताली बजाता है, एक बच्चा जो आकाश में चाँद को छूने की जिद करता है... बचपन की सच्ची सुंदरता इन्हीं सब में निहित है। हालांकि, आज के बच्चों का बचपन बदल रहा है। आंगन में खेले जाने वाले खेल, दोस्तों के समूह, पेड़ पर चढ़ना, लुका-छिपी, लगोरी, विटिडांडू, सागरगोटे, भाटुकली - इन सब की जगह अब मोबाइल फोन, टैब, वीडियो गेम और डिजिटल मनोरंजन ने ले ली है। तकनीक का उपयोग गलत नहीं है; लेकिन इसका अत्यधिक उपयोग बच्चों की शारीरिक गतिविधि, सामाजिक मेलजोल और कल्पनाशीलता को प्रभावित कर सकता है। अगर स्क्रीन की दुनिया मैदान से ज्यादा आकर्षक लगने लगे, तो बचपन की सहजता खो जाती है। आज के माता-पिता को भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बच्चों से पढ़ाई में अच्छे अंक लाने, विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करने और संगीत, नृत्य, चित्रकला और खेल जैसे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपेक्षा की जाती है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए माता-पिता के प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय हैं। लेकिन इस प्रयास में, क्या बच्चों को अपनी रुचियों और पसंदों को आगे बढ़ाने की स्वतंत्रता मिलती है, यह एक विचारणीय प्रश्न है। शिक्षा सिर्फ अंकों की प्रतियोगिता नहीं है! शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों में सोचने की क्षमता, प्रश्न पूछने का साहस, निर्णय लेने की क्षमता, सहयोग की भावना और मानवता का भाव विकसित करना होना चाहिए। आज इंटरनेट पर अपार जानकारी उपलब्ध है। लेकिन अब उन्हें सही जानकारी का चयन करना, उसका विश्लेषण करना, सत्य और असत्य में अंतर करना और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनना सिखाना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। विद्यालय बच्चों के व्यक्तित्व विकास की प्रयोगशाला है। पुस्तकों के पाठ पढ़ाते समय जीवन के मूल्यों को बच्चों में समाहित करना आवश्यक है। स्वच्छता, अनुशासन, ईमानदारी, सहयोग, पर्यावरण प्रेम, बड़ों का आदर और सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता जैसे मूल्यों को केवल पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से ही नहीं, बल्कि वास्तविक कार्यों के माध्यम से भी बच्चों में विकसित किया जाना चाहिए। बाल दिवस मनाते समय समाज के सभी बच्चों पर विचार करना महत्वपूर्ण है। एक ओर वे बच्चे हैं जो महंगे स्कूलों में पढ़ते हैं और विभिन्न सुविधाएं प्राप्त करते हैं; वहीं दूसरी ओर वे बच्चे हैं जो आर्थिक स्थिति के कारण शिक्षा से वंचित हैं, बाल श्रम में लगे हैं, सड़कों पर रहते हैं या कुपोषण का शिकार हैं। बचपन हर बच्चे का मौलिक अधिकार है। प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और खेलने के अवसर मिलने चाहिए। बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। माता-पिता, शिक्षक, सामाजिक संगठन और प्रत्येक जागरूक नागरिक को इसमें योगदान देना चाहिए। आज के समय में बच्चों से संवाद करना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। अक्सर, वयस्क बच्चों को उपदेश देते हैं, निर्देश देते हैं, उनकी गलतियाँ बताते हैं; लेकिन उनकी बातें शांति से नहीं सुनते। बच्चों के मन में भी प्रश्न, भय, असुरक्षा, कभी-कभी भ्रम और कभी-कभी अनकहे भाव होते हैं। ऐसे समय में, उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में सक्षम होना चाहिए। बच्चों को सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें चुप कराने के बजाय उनके जवाब देने की कोशिश करनी चाहिए। अगर वे कोई गलती करते हैं, तो उन्हें अपमानित करने के बजाय समझाना चाहिए। बच्चों के लिए अनुशासन ज़रूरी है; लेकिन यह डर पर नहीं, बल्कि समझ पर आधारित होना चाहिए। बच्चों से प्यार करने का मतलब उनकी हर इच्छा को मंजूरी देना नहीं है, बल्कि उनकी भावनाओं का सम्मान करना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना है। आज बच्चों के हाथों में मोबाइल फोन हैं, कल वे देश की जिम्मेदारी संभालेंगे। आज उनके मन में उठने वाले प्रश्न कल नए शोधों को जन्म देंगे।

अपनी जड़ों को पहचानना सिखाती है छठ

कुछ पर्व कैलेंडर पर दर्ज होते हैं, कुछ स्मृतियों में और कुछ मनुष्य की सामूहिक चेतना में। छठ ऐसा ही पर्व है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, आत्मानुशासन, सामाजिक समानता और अपनी जड़ों से जुड़े रहने की अद्भुत भारतीय परंपरा है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों से निकलकर आज छठ देश-दुनिया के अनेक हिस्सों तक पहुंच चुकी है। इसकी भौगोलिक यात्रा चाहे जितनी लंबी हुई हो, इसका मूल तत्व अब भी उसी मिट्टी, नदी, पोखर और परिवार से जुड़ी है, जहां से इस लोक-परंपरा ने आकार लिया। छठ मूलतः सूर्योपासना का पर्व है। सूर्य हमारे लिए केवल आकाश में चमकता हुआ खगोलीय पिंड नहीं, बल्कि जीवन और ऊर्जा का प्रत्यक्ष स्रोत है। प्रकाश, ऊष्मा और कृषि-चक्र से लेकर पृथ्वी पर जीवन की निरंतरता तक, हमारी सभ्यता का अस्तित्व सूर्य से गहराई से जुड़ा है। इसलिए छठ में सूर्य को अर्घ्य देना उस प्रकृति के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करना है, जिस पर हमारा जीवन निर्भर है। छठ की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक है-कृतज्ञता। आधुनिक जीवन ने हमें अधिकारों की भाषा तो खूब सिखाई है, पर कर्तव्यों और कृतज्ञता की भाषा पीछे छूटती जा रही है। छठ हमें याद दिलाती है कि मनुष्य प्रकृति का स्वामी नहीं, उसका हिस्सा है। जिस सूर्य से ऊर्जा मिलती है, जिस जल से जीवन चलता है, जिस मिट्टी से अन्न, फल- सब्जियां पैदा होती हैं और जिन किसानों की मेहनत से वह हमारे तक पहुंचती हैं, उन सबके प्रति आभार व्यक्त करना भी सभ्यता का हिस्सा है। शायद इसी कारण छठ की पूजा में प्रकृति स्वयं पूजा की सामग्री बन जाती है। सूप और दउरा बनाने वाले कारीगर, फल पैदा करने वाले किसान और छोटे विक्रेता-सभी इस पर्व की सामाजिक संरचना के अभिन्न अंग बन जाते हैं। प्रसाद में स्थानीय और मौसमी फलों का महत्व उपभोक्तावादी प्रदर्शन से बिल्कुल अलग संदेश देता है। छठ हमें सिखाती है कि पूजा की पवित्रता भावना, श्रम और शुचिता में है। इस पर्व का दूसरा अद्भुत पक्ष है-समानता। छठ के घाट पर कोई वीआइपी नहीं होता। हर व्यक्ति सूर्य के सामने समान है। स्त्री हो या पुरुष, संपन्न हो या साधारण, शहरी हो या ग्रामीण-सबकी पहचान केवल एक व्रती और श्रद्धालु की होती है। छठ का एक और संदेश है-डूबते सूर्य को अर्घ्य देना। हमारी सामाजिक मानसिकता प्रायः केवल सफलता, शक्ति और उपलब्धि का अभिनंदन करती है। इसके विपरीत छठ हमें अस्त होते सूर्य के प्रति भी उतनी ही श्रद्धा रखना सिखाती है, जितनी उगते सूर्य के प्रति। यह जीवन के उतार-चढ़ाव को स्वीकार करने का दर्शन है। सफलता में विनम्र रहना और अवसान में भी सम्मान बनाए रखना-आज के प्रतिस्पर्धी समाज के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। छठ आत्मानुशासन की भी अनुपम मिसाल है। लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत, स्वच्छता, सात्विकता और संयम इसे केवल पूजा तक सीमित नहीं रहने देते, बल्कि शरीर और मन को अनुशासन में रखने की साधना बन जाते हैं। छठ की शक्ति केवल घाट तक सीमित नहीं है। यह परिवार को, पड़ोस को जोड़ती है और सबसे बढ़कर उस व्यक्ति को उसकी जड़ों से, जो रोजी-रोटी की तलाश में हजारों किलोमीटर दूर चला गया है। दिल्ली, मुंबई, सूरत, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद या विदेश में रहने वाले लाखों लोगों के लिए छठ घर लौटने का भावनात्मक निमंत्रण है। किसी के लिए यह मां के हाथ का प्रसाद पाने की इच्छा है, किसी के लिए बचपन के घाट पर लौटने की लालसा और किसी के लिए महीनों बाद अपने बच्चों को देखने की उम्मीद, लेकिन आधुनिक समय में छठ हमारे सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न भी रखती है-क्या हम जिस नदी- पोखर और प्रकृति की पूजा करते हैं, उसकी रक्षा भी उसी श्रद्धा से कर रहे हैं? यदि हम गंगा किनारे खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य दें और उसी जल में प्लास्टिक, पालीथिन अथवा पूजा सामग्री फेंक दें तो हमारी आस्था अधूरी है। छठ का मूल दर्शन ही स्वच्छता और प्रकृति सम्मान का है। इसलिए आज आवश्यकता है कि छठ को ग्रीन और जीरो-वेस्ट महापर्व बनाने की दिशा में सामूहिक प्रयास हो। आज जब मनुष्य तकनीक और उपभोग की तेज दौड़ में प्रकृति से दूर होता जा रहा है, तब छठ हमें फिर से नदी या किसी अन्य जलस्रोत किनारे खड़ा करती है। वहां न कोई भव्य मंच है, न दिखावे की आवश्यकता। हाथ में सूप है, उसमें कुछ फल हैं, सामने जल है और क्षितिज पर सूर्य है। उस क्षण मनुष्य अपने अस्तित्व के मूल स्रोतों के सामने खड़ा होता है और कहता है-धन्यवाद। शायद छठ की सबसे बड़ी शक्ति यही है। यह हमें केवल पूजा करना नहीं सिखाती, कृतज्ञ होना भी सिखाती है। यह केवल घर लौटना नहीं सिखाती, अपनी जड़ों को जानना-पहचानना भी सिखाती है। यह केवल सूर्य को अर्घ्य देना नहीं सिखाती, उस प्रकृति की रक्षा करने का दायित्व भी याद दिलाती है, जिसके बिना हमारा अस्तित्व संभव नहीं। छठ को क्षेत्र विशेष की सांस्कृतिक पहचान कह देना उसके विराट अर्थ को सीमित कर देना होगा। यह भारतीय जीवन-दर्शन का वह लोकपर्व है, जिसमें आस्था, विज्ञान, परंपरा, आधुनिकता, व्यक्ति, समाज और प्रकृति-सभी एक ही घाट पर आकर खड़े हो जाते हैं।

पूरा हो महिलाओं से किया गया वादा

संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण कानून में संशोधन वाले विधेयक के साथ परिसीमन संबंधी विधेयक को पारित करने की सरकार की तैयारी संबंधी खबरों ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। यदि ये विधेयक पारित हो जाते हैं तो मोदी सरकार केवल लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू करने में ही सफल नहीं होगी, बल्कि राजनीतिक माहौल को बदलने और उसे अपने पक्ष में भी करने में सक्षम होगी। इसके पहले इसी वर्ष अप्रैल में सरकार ने संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण संविधान विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक पारित कराने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रही, क्योंकि एक तो संविधान संशोधन विधेयक होने के नाते दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता थी और दूसरे कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल सरकार के खिलाफ एकजुट हो गए। अब हालात बदले दिख रहे हैं, क्योंकि द्रमुक कांग्रेस से नाता तोड़ चुकी है और तृणमूल कांग्रेस में टूट हो चुकी है। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के भी आठ राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हो चुके हैं। शिवसेना उद्धव गुट के कई लोकसभा सदस्य एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ चले गए हैं और शरद पावर की एनसीपी भी अपने रुख में बदलाव के संकेत दे रही है। वैसे तो सरकार ने संसद के मानसून सत्र में भी महिला आरक्षण और परिसीमन संबंधी विधेयक पारित कराने के संकेत दिए थे, लेकिन यह सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया। इसके चलते सरकार ये विधेयक सदन में लाई ही नहीं, लेकिन उसने सत्रावसान भी नहीं किया। ऐसा इसीलिए नहीं किया, ताकि कभी भी विशेष सत्र बुलाया जा सके। माना जा रहा है कि जल्द ही ऐसा किया जा सकता है। सत्तापक्ष की मानें तो अब वह इन विधेयकों को पारित कराने के लिए आवश्यक दो तिहाई बहुमत तक पहुंच जाएगी। इस बार वह परिसीमन संबंधी विधेयक में इस बात को लिखित तौर पर शामिल करने के लिए भी तैयार है कि सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाई जाएंगी। पिछली बार यह बात विधेयक में शामिल नहीं थी और केवल आश्वासन रूप में थी। इसी कारण विपक्ष ने उसे एक मुद्दा बना लिया था। सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव इसलिए दिया जा रहा है, ताकि किसी भी राज्य का लोकसभा में प्रतिनिधित्व का प्रतिशत पहले जैसा ही रहे। कुछ राज्यों, खासकर दक्षिण भारत के राज्यों की यह चिंता है कि आबादी के आधार पर होने वाला परिसीमन उनके लिए राजनीतिक रूप से नुकसानदेह होगा और एक तरह से उन्हें जनसंख्या नियंत्रण में सफलता हासिल करने की सजा मिलेगी। इसी चिंता को दूर करने के लिए सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव है। यह एक उचित प्रस्ताव है। इस पर विपक्षी दलों की आपत्ति का औचित्य समझना कठिन है। कुछ विपक्षी दलों की इस मांग का कोई अर्थ नहीं कि परिसीमन को फिर टाल दिया जाए। ज्ञात हो कि यह 50 साल से टल रहा है। लोकसभा एवं विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए हर जनगणना के बाद किए जाने वाले परिसीमन को पहली बार संवैधानिक संशोधनों के माध्यम 1976 में 25 वर्ष के लिए टाला गया और फिर दूसरी बार 2001 में भी 25 वर्ष के लिए। इसका कारण जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को सफलता से लागू करने वाले राज्यों को लोकसभा में सीटों के नुकसान से बचाना था। चूंकि आज एक लोकसभा सदस्य के लिए औसतन 20-22 लाख की आबादी तक पहुंचना भी संभव नहीं, इसलिए कांग्रेस की यह दलील भी ठीक नहीं कि मौजूदा 543 लोकसभा सीटों पर ही 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू किया जाए। कांग्रेस यह दलील भले ही दे रही हो, लेकिन उसके साथ अन्य विपक्षी दलों के पुरुष सांसद इसके लिए शायद ही तैयार हों। यदि वे तैयार भी होते हैं तो उनके घर-परिवार की महिलाएं ही उनका स्थान ले लेंगी। इसका कोई मतलब नहीं कि बढ़ी हुई आबादी का प्रतिनिधित्व लगभग उतने ही सांसद करें, जितने 50 साल पहले करते थे। यह समय की मांग है कि लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के साथ महिला आरक्षण लागू किया जाए।

फिल्म जोश के एक्टर शरद कपूर को मिला इंटरनेशनल प्रोजेक्ट, हॉलीवुड फिल्म में दिखेगा दमदार अंदाज



फिल्म 'जोश' फेम एक्टर शरद कपूर का काम मांगते हुए वीडियो वायरल होने के बाद अब एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है, जिसमें उन्हें हॉलीवुड प्रोजेक्ट मिल गया है। शरद कपूर को हॉलीवुड फिल्म का ऑफर मिला, जिसकी शूटिंग जनवरी में शुरू होने की उम्मीद है। कुछ वक्त पहले एक्टर का बॉलीवुड से काम मांगने वाला वीडियो काफी तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड से खुले तौर पर काम की मांग की थी। उस वीडियो को देखने के बाद उनके फैंस और फिल्म इंडस्ट्री के की लोग काफी परेशान हो गए थे। लेकिन अब इसी कड़ी में एक ऐसा ट्वीस्ट आया है, जो उनके फैंस के चेहरों पर मुस्कान ले आया है। वायरल वीडियो ने बढ़ाई हलचल हाल ही में शरद कपूर का एक ऐसा वीडियो सामने आया था जिसने पूरी फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी थी। वीडियो में उनकी मुश्किल हालातों और स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियों की झलक साफ दिखाई दे रही थी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई थी कि उन्हें अपने प्यारे पालतू कुत्तों को भी एक एनिमल शेल्टर में छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। हालांकि शरद कपूर ने खुद सामने आकर इस बात को साफ किया है कि उनके इस वीडियो का मकसद किसी से पैसों की मदद हासिल करना बिल्कुल नहीं था। उन्होंने साफ कहा कि उनका मकसद फिल्म इंडस्ट्री के अपने लोगों के साथ किसी तरह की कड़वाहट पैदा करना नहीं था, क्योंकि इंडस्ट्री के सभी लोग उनके अपने परिवार की तरह हैं। फुटबॉल खेलते समय आई गंभीर चोट अपनी पर्सनल लाइफ और मुश्किल दौर के बारे में बात करते हुए शरद कपूर ने उस हादसे का जिक्र किया जिसने उनकी लाइफ की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया था। उन्होंने बताया कि वह कुछ समय पहले बार्सिलोना गए हुए थे और वहां फुटबॉल खेलते समय उनके पैर में एक गंभीर चोट लग गई। मैदान पर खेलते हुए उनका पैर दूसरे खिलाड़ी से जोरदार तरीके से टकरा गया था। इस दर्दनाक चोट के कारण उन्हें अपने चारों पालतू कुत्तों की देखभाल करने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था, जिन्हें रोज टहलाने और संभालने की जरूरत होती है। वायरल हुआ था। बार्सिलोना में फुटबॉल खेलते समय शरद कपूर के पैर में गंभीर चोट लग गई थी। फिल्म 'जोश' से पहचान बनाने वाले शरद अब बॉलीवुड में भी दोबारा वापसी करना चाहते हैं। 90 के दशक की कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले एक्टर शरद कपूर इन दिनों एक अलग ही वजह से सुर्खियों में हैं। कुछ समय पहले उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर

शारदा सिन्हा के गीतों के बीच आज भी गूंजता है अनुराधा पौडवाल का यह गीत, सुबह के अर्घ्य पर गूंजते हैं बोल



महापर्व छठ पूजा के दौरान सुबह के अर्घ्य पर अनुराधा पौडवाल का 28 साल पुराना गीत 'निंदिया के मातल देव' आज भी हर छठ घाट और घर में गूंजता है। अनुराधा पौडवाल का छठ गीत 'निंदिया के मातल देव' साल 1998 में रिलीज हुआ था। अनुराधा पौडवाल का यह गीत 'छठी मइया हमार' एल्बम का हिस्सा है। संगीतकार सुनील छैला बिहारी ने इस पारंपरिक गाने को संगीत से सजाया था। करीब 28 साल बाद भी सुबह के अर्घ्य के दौरान यह गीत खूब सुना जाता है। छठ के मौके पर फेमस गायकों और कलाकारों ने अपनी आवाज से इस पर्व को सजाया है, लेकिन दिग्गज सिंगर अनुराधा पौडवाल द्वारा गाए गए छठ गीत की बात ही कुछ और है। आज से करीब 28 साल पहले उनकी सुरीली आवाज में रिकॉर्ड हुआ एक पारंपरिक सॉन्ग आज भी उतना ही ताजा और पॉपुलर बना हुआ है।

छठ पूजा ने बदल दी अक्षरा सिंह की जिंदगी, बोलीं- मानसिक शांति सबसे ज्यादा जरूरी

अक्षरा सिंह ने बताया कि छठ पूजा शुरू करने के बाद उनके जीवन, करियर और पारिवारिक रिश्तों में सकारात्मक बदलाव आए हैं। एक्ट्रेस के अनुसार, इस पर्व ने उन्हें मानसिक शांति दी है। छठ पूजा के बाद बदल गई अक्षरा सिंह की जिंदगी बोलीं- पैसा नहीं, मानसिक शांति सबसे ज्यादा मायने रखती है करियर, पर्सनैलिटी और परिवार में महसूस किया सकारात्मक बदलाव भोजपुरी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस अक्षरा सिंह पिछले कई सालों से छठ पूजा करती हुई आ रही हैं। अक्षरा सिंह ने छठ पूजा के बाद अपने जीवन में आए बदला को लेकर बात कही है। अक्षरा सिंह ने कहा कि छठ पूजा के त्योहार ने उन्हें ऐसी मानसिक शांति दी है, जो किसी भी भौतिक सुख-सुविधाओं से कहीं ज्यादा महत्व रखती हैं। साथ ही अक्षरा सिंह ने ये भी कहा कि उनके जीवन के कई पहलुओं पर इसका सकारात्मक असर पड़ा है, जैसे कि उनका करियर, पर्सनैलिटी और पारिवारिक संबंध। छठ पूजा शुरू करने के बाद बदली जिंदगी अक्षरा सिंह ने कहा कि जब से उन्होंने छठ पूजा करना शुरू किया है, तब से उन्होंने अपने आसपास और पर्सनल लाइफ



में एक पॉजिटिव चेंज महसूस किया है। उन्होंने कहा कि पैसा तो आता-जाता रहता है लेकिन इन बदलावों से मिलने वाली मानसिक शांति कहीं ज्यादा मायने रखती है। उन्होंने कहा कि जब से मैंने छठ पूजा शुरू की है, मेरा जीवन बदल गया है। मैं पैसे को बहुत अहमियत नहीं देती। पैसा तो आता-जाता रहता है। हम कड़ी मेहनत करते हैं, तो कुछ न कुछ कमा ही लेंगे। हालांकि जीवन में जो बदलाव आए हैं- चाहे वे काम से जुड़े हों या आपके व्यक्तित्व से, मुझे लगता है कि ये बदलाव आपको मानसिक शांति देते हैं। अंत में, आपकी मानसिक शांति ही सबसे महत्वपूर्ण है। परिवार और घर में भी महसूस किया बदलाव उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि मैं बस अपने जीवन का आनंद ले रही हूं। जब से मैंने छठ पूजा शुरू की है, मुझे लगता है कि मेरी दुनिया, मेरा परिवार, मेरा घर सब कुछ बदल रहा है। एक बहुत ही अच्छा बदलाव। सोशल मीडिया पर शेयर किया छठ पूजा का वीडियो अक्षरा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें उनकी छठ पूजा के जश्न की झलक देखने को मिलती है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए इस वीडियो में वह त्योहार के लिए पारंपरिक प्रसाद तैयार करती और पूजा-पाठ की रस्मों में हिस्सा लेती नजर आ रही हैं। करियर की बात करें तो अक्षरा सिंह 'तबादला', 'सरकार राज' और 'सत्य' जैसी भोजपुरी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 2021 में रियलिटी शो 'बिग बॉस ओटीटी' के पहले सीजन में भी हिस्सा लिया था।

19 नवंबर से शुरू होगी भारत-न्यूजीलैंड की महाजंग, जानें पूरा शेड्यूल, वेन्यू और लाइव स्ट्रीमिंग की पूरी डिटेल



भारत बनाम न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज 19 नवंबर 2026 से शुरू हो रही है। जानें पहला और दूसरा टेस्ट मैच कब, कहां और कितने बजे खेला जाएगा। आइए जानते है। भारत बनाम न्यूजीलैंड के बीच 19 नवंबर 2026 से टेस्ट सीरीज का आगाज होगा दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 3:30 बजे शुरू होगा दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी भारतीय क्रिकेट टीम का न्यूजीलैंड दौरा 2026 अब अपने सबसे रोमांचक पड़ाव पर पहुंच चुका है। टी-20 और वनडे सीरीज के रोमांच के बाद अब भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस टेस्ट श्रृंखला का आगाज 19 नवंबर 2026 से होने जा रहा है।

रावलपिंडी में होगा निर्णायक मुकाबला, जानें शेड्यूल, समय, स्क्वाड और वेन्यू बदलने की वजह

पाकिस्तान बनाम श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 17 से 21 नवंबर 2026 तक रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। खास बात यह है कि लाहौर में बढ़ते स्मॉग के कारण वेन्यू बदला गया है। दूसरा और निर्णायक टेस्ट 17 से 21 नवंबर 2026 तक खेला जाएगा। पहला टेस्ट ड्रॉ रहने के कारण इस मैच से विजेता का फैसला होगा। मैच को लाहौर से शिफ्ट कर अब रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में कर दिया गया है। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच जारी दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा और निर्णायक मुकाबला 17 नवंबर से 21 नवंबर 2026 के बीच खेला जाएगा। पहला



टेस्ट मैच रोमांचक संघर्ष के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ था, जिसके चलते अब इस दूसरे मुकाबले पर सीरीज के विजेता का फैसला निर्भर करेगा। इस मैच की सबसे बड़ी खबर यह है कि इसे लाहौर के बजाय अब रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शिफ्ट कर दिया गया है। क्यों बदला गया दूसरे टेस्ट का वेन्यू? दरअसल, मूल कार्यक्रम के अनुसार यह मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में आयोजित होना था। हालांकि, लाहौर में सर्दियों की शुरुआत के साथ स्मॉग और वायु प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और ब्रॉडकास्टिंग से जुड़ी चुनौतियों को देखते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने मैच को रावलपिंडी स्थानांतरित करने का आधिकारिक फैसला लिया। वेन्यू बदलने के बावजूद मैच की तारीखों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। मैच की तारीख, समय और स्थान तारीखः पाकिस्तान बनाम श्रीलंका, दूसरा टेस्ट- 17 नवंबर से 21 नवंबर 2026 तक स्थानः रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम, रावलपिंडी समयः भारतीय समयानुसार सुबह 10:00 बजे से (स्थानीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से टॉस के आधे घंटे बाद खेल शुरू होगा)।

फिलीपींस में होने वाला आसियान समिट क्या है? यह भारत के लिए क्यों खास है

मोदी की फिलीपींस यात्रा में ASEAN-India और East Asia Summit पर क्या चर्चा होगी? चीन की बढ़ती ताकत, भारत का व्यापार घाटा, समुद्री सुरक्षा और रक्षा सहयोग एजेंडे में रहेंगे। ASEAN में 11 देश, 69.3 करोड़ की आबादी और 4.3 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त अर्थव्यवस्था है। चीन का बढ़ता प्रभाव, दक्षिण चीन सागर विवाद और म्यांमार का गृहयुद्ध ASEAN के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। भारत व्यापार घाटा कम करने, बेहतर बाजार पहुंच, समुद्री सुरक्षा और ब्रह्मोस जैसे रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। दुनिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 और 17 नवंबर को फिलीपींस की राजधानी मनीला का दौरा करेंगे। इस दो दिवसीय यात्रा के दौरान वह 23वें ASEAN-India Summit और 21वें East Asia Summit में हिस्सा लेंगे। दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की रणनीतिक और आर्थिक मौजूदगी को मजबूत करने के लिहाज से इस दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। दक्षिण-पूर्व एशिया भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और व्यापक हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालांकि, इस समय यह क्षेत्र कई चुनौतियों से जूझ रहा है। अमेरिका-ईरान संघर्ष, पश्चिम एशिया में जारी संकट, चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक ताकत तथा अमेरिका और चीन के बीच



गहराती प्रतिस्पर्धा ने इस क्षेत्र के देशों के सामने मुश्किल स्थिति पैदा कर दी है। इसके अलावा म्यांमार का गृहयुद्ध, थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद और दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय दावों को लेकर तनाव भी ASEAN के लिए बड़ी चुनौतियां हैं। क्या है ASEAN और दुनिया में कितना प्रभाव? ASEAN यानी एसोसिएशन ऑफ साउथ ईस्ट एशियन नेशंस की स्थापना 8 अगस्त 1967 को हुई थी। इसकी शुरुआत इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड ने बैंकॉक घोषणा पर हस्ताक्षर करके की थी। इसका मुख्य उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशिया में आर्थिक सहयोग, क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना था। शीत युद्ध के दौर में राजनीतिक अस्थिरता और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस संगठन की स्थापना की गई थी। बाद में ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया भी इसमें शामिल हुए। अक्टूबर 2025 में तिमोर-लेस्ते के शामिल होने के बाद ASEAN के सदस्यों की संख्या 11 हो गई। आज इस संगठन में करीब 69.3 करोड़ लोग रहते हैं और इसकी संयुक्त अर्थव्यवस्था लगभग 4.3 ट्रिलियन डॉलर की है। अगर इसे एक देश के रूप में देखा जाए तो यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। संगठन का लक्ष्य 2030 तक दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना है। हालांकि, यूरोपीय संघ की तरह ASEAN के पास कोई केंद्रीय सत्ता नहीं है, जो सदस्य देशों पर अपने फैसले थोप सके। यह संगठन आम सहमति और एक-दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने के सिद्धांत पर काम करता है। चीन की चुनौती और भारत के लिए ASEAN क्यों जरूरी? ASEAN के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में चीन का बढ़ता प्रभाव और दक्षिण चीन सागर में उसके क्षेत्रीय दावे शामिल हैं। फिलीपींस और चीन के बीच समुद्री सीमाओं को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है।

23 साल की उम्र में बने 40000 करोड़ रुपये के मालिक, जानें कौन हैं भारतीय मूल के 2 लड़के



भारतीय मूल के आदर्श हिरेमठ और सूर्या मिधा 23 साल की उम्र में कैसे बने अरबपति? जानें Mercor की 20 अरब डॉलर वैल्यूएशन और उनकी सफलता की कहानी। AI स्टार्टअप Mercor ने 750 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई, जिससे कंपनी की वैल्यूएशन 20 अरब डॉलर पहुंच गई। आदर्श हिरेमठ और सूर्या मिधा की संपत्ति बढ़कर 4.2 अरब डॉलर यानी करीब 40,000 करोड़ रुपये हो गई। दोनों ने हार्वर्ड और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी की पढ़ाई बीच में छोड़कर Mercor की शुरुआत की, जो OpenAI और Anthropic के साथ काम करती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की दुनिया में भारतीय मूल के दो युवा उद्यमियों ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। आदर्श हिरेमठ और सूर्या मिधा की संपत्ति में महज कुछ महीनों के भीतर करीब दोगुना इजाफा हुआ है। इसकी वजह उनका AI स्टार्टअप Mercor है, जिसने हाल ही में 750 मिलियन डॉलर (करीब 6,700 करोड़ रुपये) की नई फंडिंग जुटाई है। इस निवेश के बाद कंपनी की वैल्यूएशन बढ़कर 20 अरब डॉलर (करीब 1.8 लाख करोड़ रुपये) हो गई है। फोर्ब्स के अनुमान के मुताबिक, 23 वर्षीय आदर्श हिरेमठ और सूर्या मिधा में से प्रत्येक की कुल संपत्ति अब करीब 4.2 अरब डॉलर (लगभग 40,000 करोड़ रुपये) हो गई है। अक्टूबर 2025 में दोनों की संपत्ति करीब 2.2 अरब डॉलर (लगभग 20,700 करोड़ रुपये) आंकी गई थी। उस समय Mercor की वैल्यूएशन 10 अरब डॉलर थी। कंपनी की नई फंडिंग ने तीनों सह-संस्थापकों को दुनिया के सबसे युवा सेल्फ-मेड अरबपतियों की सूची में और मजबूत स्थिति दिलाई है। कौन हैं आदर्श हिरेमठ और सूर्या मिधा? आदर्श हिरेमठ और सूर्या मिधा की दोस्ती अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित बेलारमाइन कॉलेज प्रिपरेटरी स्कूल से शुरू हुई थी।

530 फ्लाइट्स रद्द, 430 चल रहीं डिले; FAA प्रमुख ने यात्रियों से मांगी माफी; जानें कब सामान्य होगा हवाई यातायात

अमेरिका में FAA ने बीते दिनों ग्राउंड स्टॉप का आदेश जारी किया था। अब इसी के मद्देनजर 530 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं और 430 फ्लाट्रिस डिले चल रही हैं। अमेरिका में 530 फ्लाइट्स रद्द, 430 चल रहीं डिले FAA प्रमुख ब्रायन बेडफोर्ड ने यात्रियों से मांगी माफी आज शाम तक विमान सेवाएं काफी हद तक सामान्य होने की संभावना अमेरिका में शनिवार 14 नवंबर को भी FAA के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी खराबी के कारण हवाई यात्रा प्रभावित हुई थी। 530 फ्लाइट्स रद्द और 430 फ्लाइट्स डिले होने से हजारों यात्रियों को खासा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। FAA प्रमुख ने यात्रियों से मांगी माफी FAA प्रमुख ब्रायन बेडफोर्ड ने खासा परेशानी के लिए सभी यात्रियों से माफी भी मांगी है। साथ ही साथ उम्मीद जताई है कि रविवार देर शाम तक विमान सेवाएं काफी हद तक सामान्य हो जाएंगी। उन्होंने यात्रियों से कहा है कि अब एविएशन सिस्टम



स्थिर बना हुआ है और एजेंसी तकनीकी दिक्कतों को पूरी तरह दूर करने के लिए काम कर रही है। सब कुछ सही रहा तो आज शाम तक फ्लाइट व्यवस्था ठीक हो जाएगी। बता दें कि लगातार 2 दिन से हजारों यात्री एयरपोर्ट पर परेशान हैं और एयरलाइंस के सामने अब विमानों, पायलटों और अन्य क्रू सदस्यों को दोबारा व्यवस्थित करने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।9/11 के बाद देशबर में सबसे लंबा ग्राउंड स्टॉप का आदेश संयुक्त राज्य अमेरिका के परिवहन सचिव शॉन डफी के मुताबिक, शुक्रवार को FAA असाधारण परिस्थितियों और सुरक्षा कारणों के मद्देनजर देशबर में ग्राउंड स्टॉप का आदेश जारी किया था। ये ग्राउंड स्टॉप 11 सितंबर 2001 (9/11) के आतंकी हमलों के बाद अब तक का सबसे लंबा ग्राउंड स्टॉप कहा जा रहा है। अमेरिका से हवाई यातायात में क्यों आ रही परेशानी अमेरिकी परिवहन सचिव ने कहा कि ये घटना किसी भी तरीके से साइबर अटैक नहीं है।

फिर शुरू होगा तेल अवीव-दुबई हवाई मार्ग? इजरायल और UAE के बीच अहम बैठक आज, यात्रियों को मिल सकती है बड़ी राहत



फ्लाईदुबई विमान में सितंबर में हुई घटना की जांच के बीच इजरायली प्रतिनिधिमंडल 15 नवंबर को UAE जाएगा। दुबई-तेल अवीव उड़ानें बहाल करने पर चर्चा होगी। इजरायली परिवहन मंत्रालय का प्रतिनिधिमंडल दुबई का दौरा करेगा। 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की उड़ान FZ1073 में हुई सुरक्षा घटना की जांच। तेल अवीव-दुबई हवाई मार्ग खोलने और फ्लाईदुबई की सेवाओं की अनुमति पर होगा फैसला। इजरायल के परिवहन मंत्रालय का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) का दौरा करेगा। इसका उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करना और सितंबर में फ्लाईदुबई की एक उड़ान के दौरान हुई घटना की जांच करना है।

ईरान-इराक सीमा के पास भीषण हादसा, गैस रिफाइनरी कर्मचारियों से भरी बस पलटी; 12 की मौत, 16 घायल

पश्चिमी ईरान के इलाम प्रांत में इराक सीमा के पास गैस रिफाइनरी के कर्मचारियों को ले जा रही एक बस पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हुए हैं। पश्चिमी ईरान के इलाम प्रांत में 'दश्त अब्बास-मुर्मुरी' सड़क पर शनिवार शाम पलटी कर्मचारियों की बस। बस में 'देहलोरन NGL 3100' तेल और गैस परियोजना में काम करने वाले कर्मचारी थे सवार। हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 12, जबकि 16 घायलों में से कई की हालत नाजुक। पश्चिमी ईरान में इराक सीमा के पास गैस रिफाइनरी के कर्मचारियों को ले जा रही एक बस पलट गई, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कुछ घायलों की हालत गंभीर है।



फिलहाल इस हादसे की जांच की जा रही है। ईरान में बस हादसा ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, शनिवार शाम पश्चिमी ईरान के इलाम प्रांत में एक बड़ा हादसा हुआ, जब तेल और गैस कर्मचारियों को ले जा रही एक बस पलट गई। इस बस में 'देहलोरन NGL 3100' तेल और गैस परियोजना में काम करने वाले कर्मचारी सवार थे। स्थानीय समयानुसार शाम लगभग 7:25 बजे, देहलोरन के पास 'दश्त अब्बास-मुर्मुरी' सड़क पर यह बस पलट गई। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी, IRNA के मुताबिक, रविवार को मृतकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। जबकि इससे पहले प्रांतीय अधिकारियों ने यह आंकड़ा नौ बताया था। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान ने घायलों को मदद के निर्देश IRNA की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि 16 घायल लोगों को तुरंत चिकित्सा सहायता मिले। अधिकारियों ने इलाम प्रांत में एक दिन और अब्दनान में दो दिन के सार्वजनिक शोक की घोषणा की है। इस हादसे में जान गंवाने वाले कई लोग अब्दनान के रहने वाले थे। हादसे के कारणों की जांच 'ईरानियन स्टूडेंट्स न्यूज़ एजेंसी' (ISNA) के अनुसार, अब्दनान के अभियोजक अमरोल्लाह मिसाई ने कहा, "हादसे के कारण, इसमें योगदान देने वाले कारक, और किसी भी तरह की लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की जांच की जा रही है।"

किसानों को बड़ी राहत, ई-फसल

को राहत देते हुए ई-फसल सर्वेक्षण पूरा करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 30 नवंबर कर दी है। अब मोबाइल नेटवर्क की सुविधा नहीं होने वाले क्षेत्रों में किसान ऑफलाइन माध्यम से भी अपनी फसलों का पंजीकरण करा सकेंगे। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने इसकी घोषणा की। इसके साथ ही राज्य सरकार ने सूखे की स्थिति से निपटने, खेतों तक सड़क पहुंचाने, फसल बीमा से जुड़ी शिकायतों का समाधान करने और सूखते फलों के बागों को बचाने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले किए हैं। 25 लाख किसानों को मिला अतिरिक्त समय राज्य में कुल 3.45 करोड़ किसानों में से अब तक 3.20 करोड़ किसानों का ई-फसल सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। शेष करीब 25 लाख किसान अभी इस प्रक्रिया से नहीं जुड़ पाए हैं। ऐसे किसानों को राहत देने के लिए सरकार ने समयसीमा 30 नवंबर तक बढ़ा दी है। नेटवर्क की समस्या के कारण पंजीकरण से वंचित किसानों को अब ऑफलाइन सुविधा भी मिलेगी। खेतों तक सड़क बनाने को मिलेगी प्राथमिकता सूखे की स्थिति को देखते हुए सरकार ने जिला नियोजन समिति के फंड से इस साल सीमेंट सड़कों के निर्माण कार्य रोकने का फैसला किया है। इसके स्थान पर मुख्यमंत्री बलिराजा खेत-पांधन सड़क योजना के तहत खेतों तक सड़कें बनाई जाएंगी। योजना को तेजी से लागू करने के लिए 25 विधानसभा क्षेत्रों में नए सह-अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं। फसल बीमा कंपनियों की शिकायतें उठेंगी फसल बीमा कंपनियों के खिलाफ किसानों की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए सरकार ने इस मुद्दे को मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक में उठाने का निर्णय लिया है। इसका उद्देश्य किसानों की समस्याओं और बीमा दावों से जुड़े मामलों पर चर्चा कर समाधान निकालना है। बागों को बचाने के लिए 15 दिसंबर तक बोरवेल की अनुमति पानी की कमी से प्रभावित संतरा, मोसंबी, आम और चीकू के बागों को बचाने के लिए सरकार ने 15 दिसंबर तक बोरवेल बनाने की अनुमति दी है। इससे सूखे की मार झेल रहे बागायतदार किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है। नागपुर में जल संरक्षण के लिए विशेष योजना नागपुर शहर के कोराडी और खापरखेड़ा बिजली संयंत्रों में अब शोधित गंदे पानी का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे पेंच और तोतलाडोह बांधों के पानी की बचत होगी। इसके अलावा नागपुर जिले में 5,000 रिचार्ज शाफ्ट और 5,000 जलतारा बनाने की योजना भी तैयार की गई है। इन फैसलों के जरिए सरकार का लक्ष्य किसानों को तकनीकी सुविधाएं देने के साथ सूखे के प्रभाव को कम करना और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है।

4% शुल्क के बजाय सिर्फ 2.27

स्थल के सर्वेक्षण और शुरुआती जांच का खर्च है। पूरी परियोजना की लागत 5,675 करोड़ रुपये राज्य वन्यजीव बोर्ड के सामने रखी गई थी। कंपनी का दावा है कि परियोजना निजी, गैर-वन भूमि पर है और कोयना वन्यजीव अभयारण्य से 3.2 किलोमीटर दूर है। यह सह्याद्री टाइगर रिजर्व के अधिसूचित बफर जोन के बाहर है और किसी संरक्षित क्षेत्र या बाघ गलियारे को प्रभावित नहीं करती।

16 नवम्बर यौम-ए-वफात पर विशेष।

स्वतंत्रता सेनानी मौलाना गुलाम रसूल मेहर

अपनी पुस्तकों के माध्यम से लोगों को मातृभूमि की मुक्ति के लिए संघर्ष की ओर अग्रसर करने वाले स्वतंत्रता सेनानियों में से एक मौलाना गुलाम रसूल मेहर का जन्म 15 अप्रैल, 1895 को पंजाब राज्य के जालंधर जिले के फूलपुरा में हुआ था। उन्होंने अपनी प्राथमिक शिक्षा खाम्बरा में तथा उच्च प्राथमिक शिक्षा जालंधर में पूरी की। इसके बाद वे इस्लामिया कॉलेज में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए लाहौर चले गये। विदेशी शासन के अधीन अपने देश के लोगों द्वारा झेली जा रही कठिनाइयों की पृष्ठभूमि में युवा स्वतंत्रता संग्राम की ओर आकर्षित हुए। वे प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आज़ाद द्वारा शुरू किये गये क्रांतिकारी संगठन "हिज़्बुल्लाह" में शामिल हो गये तथा संगठन के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर यह प्रतिज्ञा ली कि वे अपनी मातृभूमि की खातिर अपना



जीवन बलिदान करने के लिए तैयार हैं। मौलाना आज़ाद द्वारा स्थापित उर्दू अख़बार "अल हिलाल" में प्रकाशित कविताओं और लेखों से उन्हें प्रेरणा मिली। 1921 में वे प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी मौलाना जफर अली खान द्वारा पुनर्जीवित उर्दू समाचार पत्र "ज़मींदार" में शामिल हो गये। उन्होंने अपनी कलम की ताकत तब साबित की जब उन्होंने खिलाफत-असहयोग आंदोलन के चरम के दौरान "ज़मींदार" की बागडोर संभाली। उस समय उनकी मुलाकात प्रसिद्ध कवि अल्लामा शिबली नोमानी, अल्लामा मोहम्मद इकबाल और नवाब वक़ार-उल-मुल्क से हुई। फिर वे एक अच्छी नौकरी पाने की उम्मीद में हैदराबाद रियासत चले गये, वहाँ कुछ समय बिताया और राजनीति और साहित्य के बारे में नये विचारों के साथ लाहौर लौट आयें। 1927 में उन्होंने अपने मित्र अब्दुल मजीद के सहयोग से एक उर्दू अखबार 'इंकलाब' शुरू किया।

बाद में उन्होंने अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता और स्वाधीनता प्राप्त करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेते हुए ऐतिहासिक साहित्य का खजाना बनाकर अपना साहित्यिक प्रयास जारी रखा। अपनी खुद की किताबों के अलावा, उन्होंने लोगों के लाभ के लिए सैकड़ों पुस्तकों का अनुवाद किया। स्वतंत्रता और देश के भारत और पाकिस्तान में विभाजन के बाद, वे पेशावर में बस गये क्योंकि उनका करियर वहीं टिका हुआ था। वे जहाँ भी रहे और चाहे कितने भी बड़े पद पर रहे हों, उन्होंने भारत में अपने पैतृक गाँव फूलपुरा के लिए अपना प्यार कभी नहीं खोया।

मौलाना गुलाम रसूल मेहर, जिन्होंने अपने पैतृक गांव के प्रति असीम प्रेम व्यक्त करते हुए कहा था कि "जब मैं अपने पैतृक गांव में था तो मुझे ऐसा महसूस होता था कि मैं स्वर्ग में रह रहा हूं। लेकिन जब अचानक वहां से उखाड़ दिया गया तो मुझे ऐसा महसूस हुआ कि मैं बिना गंतव्य के रेगिस्तान में भटक रहा हूं", उन्होंने 16 नवंबर 1971 को पेशावर में अंतिम सांस ली। संदर्भ- द इम्मोर्टल्स-2 सैय्यद नसीर अहमद द्वारा, संकलन हसरत अली शेरपुर जिला मुज़फ़्फ़रनगर उत्तर प्रदेश

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

उद्यान विभाग

महा ई-निविदा सुचना क्रमांक - ४
सन — २०२६/२७

निविदा विक्री दि. १६/११/२०२६ ते दि. २३/११/२०२६
सादरीकरण दि. २३/११/२०२६

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय रक्कम	निविदापत्राची किंमत (रु.)
१	भिवंडी महानगरपालिकेच्या प्रभाग समिती क्र.२ कार्यक्षेत्रातील स्व.हिंदुहृदयसम्राट बाळासाहेब ठाकरे उड्डाणपुलाखाली, टेमघर नाका येथील उद्यानाचे सुशोभिकरण करणे.	१६,८०,४६७/-	५९०/-
	सदर निविदा बाबतची माहिती mahatenders.gov.in संकेत स्थळावर दि. १६/११/२०२६ पासुन उपलब्ध आहे.		

सही/-
(निलेश ना.संखे)
मुख्य उद्यान अधिक्षक
भिवंडी नि.शहर महानगरपालिका,भिवंडी

पृष्ठ 1/8 का शेष

मौलाना आजाद अल्पसंख्यक आर्थिक

अल्पसंख्यक समुदाय के लाभार्थियों को मिलने वाली आर्थिक सहायता, ऋण संबंधी मामलों तथा कानूनी समस्याओं के समाधान के लिए एडवोकेट सलीम इसाक शेख मार्गदर्शन करेंगे। इस नियुक्ति से जलगांव जिले के अल्पसंख्यक समुदाय के नागरिकों को महामंडल की योजनाओं का लाभ लेते समय आने वाली कानूनी समस्याओं के समाधान में मदद मिलेगी। इस नियुक्ति पर एडवोकेट सलीम इसाक शेख को विभिन्न स्तरों से बधाइयां दी जा रही हैं।

नवी मुंबई में गैरेज-गोदाम में आग

शुरुआत में इस बात की जानकारी नहीं थी कि संबंधित परिसर में कौन-कौन से रसायन रखे हुए हैं। इसी दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हुआ। बाद में पता चला कि वहां पेंट में इस्तेमाल होने वाले थिनर के कई ड्रम रखे थे। आग की चपेट में आने के बाद इन ड्रमों में विस्फोट हुआ। इस घटना से मौके पर मौजूद दमकलकर्मियों के बीच भी अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। दमकलकर्मी 5 से 6 प्रतिशत तक झुलसा इस हादसे में दमकल विभाग का एक कर्मचारी घायल हो गया। अधिकारी के अनुसार, उसे शरीर पर करीब 5 से 6 प्रतिशत तक झुलसने की चोटें आई हैं। घायल दमकलकर्मी को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। परिसर का मालिक लापता, जांच जारी घटना के बाद परिसर का मालिक लापता बताया जा रहा है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। शुरुआती जांच में आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और संबंधित विभाग घटना की परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं। फिलहाल आग लगने के कारण और परिसर में रखे रसायनों से संबंधित विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

वेट एंड वॉच 3.0 के वायरल पोस्टर से

चिह्न भी मिला। ऑपरेशन टाइगर 2.0 में छह सांसद आए थे साथ इसके बाद लोकसभा चुनाव के दौरान शिवसेना के दोनों गुटों के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। चुनाव में उद्धव ठाकरे गुट के नौ सांसद चुने गए थे। बाद में शिंदे गुट ने ठाकरे गुट के छह सांसदों को अपने साथ कर लिया। इस घटनाक्रम को राजनीतिक हलकों में ऑपरेशन टाइगर 2.0 के नाम से चर्चा मिली। शिंदे गुट के नेताओं ने उस समय दावा किया था कि ठाकरे गुट के कुछ विधायक भी उनके संपर्क में हैं। हालांकि, ठाकरे गुट के नेताओं ने इन दावों को खारिज किया था। अब विधायकों पर नजर होने की अटकलें सोशल मीडिया पर 'वेट एंड वॉच 3.0' संदेश सामने आने के बाद चर्चा है कि शिंदे गुट की नजर अब उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों पर हो सकती है। हालांकि, फिलहाल किसी विधायक के पाला बदलने या किसी नए अभियान की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। शिंदे पहले भी कह चुके हैं कि वे अपनी राजनीतिक योजनाओं का खुलासा पहले से नहीं करते, बल्कि सीधे कदम उठाते हैं। दोनों शिवसेना और राकांपा में भी हलचल महाराष्ट्र में इस समय दोनों शिवसेना गुटों के संभावित साथ आने को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं जारी हैं। वहीं, दोनों राकांपा गुटों के विलय की संभावनाओं के बीच अजित पवार गुट के कुछ विधायकों की पार्थ पवार से नाराजगी की खबरें भी सामने आई हैं। ऐसे में ऑपरेशन टाइगर 3.0 के वायरल संदेश ने राज्य की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। फिलहाल सभी की नजरें शिंदे गुट के अगले राजनीतिक कदम पर टिकी हैं।

महाराष्ट्र के 1.22 करोड़ मतदाताओं

मतदाताओं के पते बदलने का मामला सामने आया। महाराष्ट्र में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुहिम के तहत नोटिस पाने वाले 1 करोड़ 22 लाख से अधिक मतदाताओं को बड़ी राहत मिली है। दस्तावेजों के आधार पर जांच पूरी होने के बाद इनमें से 99।94 प्रतिशत मतदाताओं के नाम प्रारूप मतदाता सूची में बरकरार रखने का निर्णय लिया गया है। इससे करीब 1 करोड़ 22 लाख 16 हजार 665 मतदाताओं के नाम अंतिम सूची में शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। अंतिम एसआईआर मतदाता सूची 30 नवंबर को जारी की जाएगी। चुनाव आयोग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, एसआईआर के तहत कुल 1 करोड़ 22 लाख 24 हजार 7 मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए थे। इन मतदाताओं से नाम और अन्य विवरणों में विसंगतियों को लेकर दस्तावेजी प्रमाण मांगे गए थे। अधिकांश मतदाताओं ने निर्धारित समय में आवश्यक दस्तावेज जमा कर दिए। जांच में उनके प्रमाण सही पाए जाने के बाद नाम मतदाता सूची में बनाए रखने का फैसला किया गया है। 4 मोबाइल फोन के जरिए बदले गए पते भोसरी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ चुके अजीत गव्हाणे ने यह मामला चुनाव आयोग के संज्ञान में लाया था। इसके बाद आठ स्थानों से रिपोर्ट मंगाकर जांच की गई। जांच में संबंधित मतदाताओं के पुणे में ही रहने की पुष्टि हुई। सामने आया कि चार मोबाइल फोन के माध्यम से उनके पते बदले गए थे। हालांकि, इन मोबाइल फोन का इस्तेमाल किसने किया और इसके पीछे कौन लोग थे, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। चुनाव आयोग ने पुलिस से शिकायत की है, लेकिन खबर लिखे जाने तक पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था। अब इस प्रकरण में पुलिस की कार्रवाई और आयोग की जांच के नतीजों पर नजर रहेगी। पुणे में मतदाताओं के पते बदलने का मामला इस बीच पुणे शहर में मतदाताओं के पते कथित तौर पर बिना जानकारी के बदलने का मामला सामने आया है। चुनाव आयोग ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। आयोग ने अपने स्तर पर भी मामले की जांच शुरू की है। आरोप है कि अक्टूबर 2024 में विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले पुणे में रहने वाले कई मतदाताओं के पते बदलकर ठाणे, नाशिक और अन्य शहरों के दर्ज कर दिए गए थे।

मुंबई में छठ पूजा को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

15 नवंबर दोपहर 2 बजे से कई रास्तों पर ट्रैफिक प्रतिबंध

मुंबई में छठ पूजा के लिए 75 स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात। 16 नवंबर सुबह 11 बजे तक कई मार्गों पर ट्रैफिक डायवर्जन लागू। मुंबई में 75 स्थानों पर छठ पूजा के आयोजन होंगे। 15 नवंबर दोपहर 2 से 16 नवंबर सुबह 11 बजे तक ट्रैफिक प्रतिबंध। जुहू समेत प्रमुख घाटों पर पुलिस, एंबुलेंस और मेडिकल टीमें तैनात। छठ पूजा के महापर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए मुंबई पुलिस ने शहरभर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए प्रमुख पूजा स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। जुहू चौपाटी सहित संवेदनशील घाटों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इसके साथ ही यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कई प्रमुख मार्गों पर विशेष ट्रैफिक डायवर्जन लागू किए गए हैं। 15 नवंबर दोपहर 2 बजे से ट्रैफिक प्रतिबंध मुंबई शहर में छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए यातायात विभाग ने विशेष व्यवस्था की है। इसके तहत 15 नवंबर को दोपहर 2 बजे से 16 नवंबर को सुबह 11 बजे तक कई



प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रतिबंध प्रभावी रहेंगे। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे प्रतिबंधित रास्तों से बचें और वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें। इससे पूजा स्थलों के आसपास यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। जुहू चौपाटी समेत 75 स्थानों पर सुरक्षा छठ पूजा के लिए मुंबई में कुल 75 निर्धारित स्थानों पर विशेष आयोजन व्यवस्था की गई है। इनमें जुहू चौपाटी प्रमुख पूजा स्थलों में शामिल है। यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंचने की संभावना को देखते हुए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। शहर के अन्य प्रमुख घाटों और पूजा स्थलों पर भी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है। पुलिसकर्मी भीड़ नियंत्रण के साथ कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर नजर रखेंगे। एंबुलेंस और मेडिकल टीमें रहेंगी तैनात प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को भी अलर्ट पर रखा है। जुहू बीच समेत अन्य प्रमुख पूजा स्थलों पर एंबुलेंस और मेडिकल टीमों को स्टैंडबाय पर रखा गया है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। गिरगांव चौपाटी और बाणगंगा पर विशेष नजर गिरगांव चौपाटी और बाणगंगा में छठ पूजा के आयोजनों को लेकर सामने आए विवादों के मद्देनजर पुलिस प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट के दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने और बिना अनुमति होने वाले आयोजनों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस का जोर त्योहार के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर है।

ANM-GNM में दाखिले का एक और मौका! दूसरे CAP राउंड में मिलेगा पसंद का कॉलेज, छात्रवृत्ति के लिए भी जरूरी



महाराष्ट्र में ANM-GNM नर्सिंग पाठ्यक्रमों के दूसरे CAP राउंड में दाखिले का एक और मौका मिलेगा। फ्रीशिप और छात्रवृत्ति का लाभ लेने के लिए CAP प्रक्रिया में शामिल होना जरूरी। महाराष्ट्र में एएनएम-जीएनएम नर्सिंग पाठ्यक्रमों के दूसरे सीएपी राउंड में दाखिला मिलेगा। फ्रीशिप और छात्रवृत्ति का लाभ उठाने के लिए सीएपी प्रक्रिया में शामिल होना जरूरी है। बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने 19 अक्टूबर को छात्रवृत्ति को लेकर स्पष्टता दी है। ANM और GNM नर्सिंग पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए प्रवेश का एक और मौका है।

मुंबई में CNG हुई महंगी, 1.50 रुपये प्रति किलो बढ़े दाम; अब 91.50 रुपये में मिलेगी गैस

मुंबई में सीएनजी 1.50 रुपये प्रति किलो महंगी हुई। नया खुदरा मूल्य 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंचा, ऑटो-टैक्सी चालकों पर बढ़ा बोझ। मुंबई में CNG के दाम 1.50 रुपये बढ़कर 91.50 रुपये प्रति किलो हुए। 15 दिनों में कीमत 2.50 रुपये और जनवरी से अब तक 11 रुपये बढ़ी। महंगी CNG से ऑटो, टैक्सी और वाहन चालकों का खर्च बढ़ेगा। मुंबई और महानगर क्षेत्र (एमएमआर) के वाहन चालकों को महंगाई का एक और झटका लगा है। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने रविवार से कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमत में 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। इस वृद्धि के बाद मुंबई में सीएनजी का खुदरा



मूल्य बढ़कर 91.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। नई दरें शनिवार आधी रात से लागू हो गई हैं। 15 दिनों में दूसरी बार बढ़े दाम एमजीएल की ओर से वर्ष 2026 में सीएनजी की कीमतों में की गई यह आठवीं बढ़ोतरी है। इससे पहले 1 नवंबर को कंपनी ने कीमत में एक रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया था। इस तरह महज 15 दिनों के भीतर सीएनजी 2.50 रुपये प्रति किलो महंगी हो गई है। वहीं, पिछले 75 दिनों में कीमतों में कुल 5.50 रुपये प्रति किलो की वृद्धि दर्ज की गई है। जनवरी से अब तक 11 रुपये की बढ़ोतरी आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2026 की शुरुआत में मुंबई शहर में सीएनजी 80.50 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से मिल रही थी। अब इसकी कीमत 91.50 रुपये हो गई है। यानी साल की शुरुआत से अब तक सीएनजी 11 रुपये प्रति किलो महंगी हो चुकी है। यह करीब 14 प्रतिशत की वृद्धि है। लगातार बढ़ते दामों से वाहन चालकों और आम उपभोक्ताओं के बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है। पश्चिम एशिया संकट का असर सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे पश्चिम एशिया में जारी संकट को भी एक प्रमुख वजह बताया जा रहा है। इस संकट के कारण गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके अलावा घरेलू स्तर पर प्राकृतिक गैस की सीमित उपलब्धता और आयातित गैस की ऊंची कीमतों से कंपनियों की खरीद लागत बढ़ी है।

सार्वजनिक सूचना

नाम परिवर्तन के संबंध में सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुराना नाम KANISHK सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज है। अब मैं अपना नाम बदलकर KANISHK JAGSIR SIRA रखना चाहता हूँ।
आज दिनांक से मुझे मेरे नए नाम KANISHK JAGSIR SIRA से जाना एवं पहचाना जाए।
भविष्य में सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी दस्तावेजों में मेरा नया नाम KANISHK JAGSIR SIRAमान्य किया जाए।
पुराना नामः KANISHK
नया नामः KANISHK JAGSIR SIRA
स्थानः भायंदर
दिनांकः 15/11/2026
हस्ताक्षरः KANISHK JAGSIR SIRA

नवी मुंबई में गैरेज-गोदाम में आग के बाद जोरदार धमाका, थिनर के ड्रम फटे; दमकलकर्मी घायल, मालिक लापता



नवी मुंबई के गैरेज और गोदाम में आग के दौरान थिनर के ड्रमों में विस्फोट। एक दमकलकर्मी झुलसा, लापता मालिक के खिलाफ शिकायत दर्ज। नवी मुंबई के गैरेज और गोदाम में आग के दौरान थिनर के ड्रमों में जोरदार विस्फोट हुआ। हादसे में एक दमकलकर्मी 5 से 6 प्रतिशत तक झुलस गया, अस्पताल में भर्ती। परिसर का मालिक लापता, आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चला। नवी मुंबई में एक गैरेज और गोदाम में लगी आग के दौरान जोरदार विस्फोट होने से अफरा-तफरी मच गई। आग बुझाने पहुंची दमकल टीम को भी इस हादसे का सामना करना पड़ा। विस्फोट में एक दमकलकर्मी घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, गोदाम में पेंट में इस्तेमाल होने वाले थिनर के कई ड्रम रखे थे, जिनमें आग के दौरान विस्फोट हुआ। दुकान में आग की सूचना पर पहुंची थी दमकल टीम डिप्टी फायर ऑफिसर मनीष ब्रह्मणकर के मुताबिक, रात करीब 10:30 बजे दमकल विभाग के कंट्रोल रूम को एक दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। हालांकि, मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि आग दुकान में नहीं, बल्कि एक गैरेज और गोदाम में लगी थी। थिनर के कई ड्रमों में हुआ विस्फोट मनीष ब्रह्मणकर ने बताया कि दमकल विभाग को ...शेष 7 पर

मौलाना आजाद अल्पसंख्यक आर्थिक विकास महामंडल के जलगांव जिला विधि सलाहकार नियुक्त हुए एडवोकेट सलीम इसाक शेख



जलगांव, (सिटी न्यूज़ मुंबई) महाराष्ट्र सरकार के अल्पसंख्यक विकास विभाग के अंतर्गत कार्यरत मौलाना आजाद अल्पसंख्यक आर्थिक विकास महामंडल के जलगांव जिला कार्यालय में विधि सलाहकार के पद पर एडवोकेट सलीम इसाक शेख (जलगांव) की नियुक्ति की गई है। महामंडल के जलगांव जिला प्रबंधक पितांबर पाटील के हाथों एडवोकेट सलीम इसाक शेख को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर एडवोकेट अमजद ए. खान उपस्थित थे। महामंडल की विभिन्न योजनाओं,...शेष 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486